अवकाश की झड़ी में विकास की बातें कितनी कारगर 02

नगर संस्करण ••

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

विश्ववार्ता

उत्तरप्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

वर्ष : 19 अंक : 274 | लखनऊ, सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/- | www.vishwavarta.com

प्रचार तेज, बराक ओबामा के निशाने

विद्यार्थियों को जैविक खेती के महत्व से कराया गया परिचित



कानपुर। सीएसए के कृषि एवं वानिकी महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 24 अक्टूबर से 6 नवंबर तक आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता संबंधी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. विजय यादव, विभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा निदेशक, प्लेसमेंट ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अवसरों का समुचित लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व एवं शैक्षणिक जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा अपनी क्षमताओं के निरंतर विकास के लिए प्रेरित किया। साथ ही, कृषि एवं वानिकी के क्षेत्र में उपलब्ध करियर एवं रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक :118 कानपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

विद्यार्थियों को जैविक खेती के महत्व से कराया गया परिचित

कानपुर । सीएसए के कृषि एवं वानिकी महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 24 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2026 तक आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता संबंधी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. विजय यादव, विभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा निदेशक, प्लेसमेंट ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अवसरों का समुचित लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व एवं शैक्षणिक जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा अपनी क्षमताओं के निरंतर विकास के लिए प्रेरित किया। साथ ही, कृषि एवं वानिकी के क्षेत्र में उपलब्ध करियर एवं रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी। द्वितीय सत्र में डॉ. अनन्या गैरोला, सहायक प्राध्यापक (संविदा), ने वर्तमान परिदृश्य में जैविक खेती की प्रासंगिकता एवं महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैविक खेती के सिद्धांतों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने, मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जैविक खेती की उचित तकनीकों को अपनाकर सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत कृषि विकास के लिए जैविक खेती के महत्व पर भी प्रकाश डाला।इस कार्यक्रम में कृषि एवं वानिकी के लगभग 236 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार, डॉ. उमानाथ शुक्ला, डॉ. रजत मिश्रा एवं डॉ. भारतेन्दु यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि एवं वानिकी की चुनौतियों, संभावनाओं तथा सतत विकास के प्रति जागरूक करना रहा।



सीएसए में दीक्षारंभ कार्यक्रम।

दूसरे दिन विद्यार्थियों को जैविक खेती के महत्व से कराया गया परिचित



निष्पक्ष पोस्ट/डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कृषि एवं वानिकी महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 24 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2026 तक आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता संबंधी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. विजय यादव, विभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा निदेशक, प्लेसमेंट ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अवसरों का समुचित लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व एवं शैक्षणिक जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा अपनी क्षमताओं के निरंतर विकास के लिए प्रेरित किया। साथ ही, कृषि एवं वानिकी के क्षेत्र में उपलब्ध करियर एवं रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी।द्वितीय सत्र में डॉ. अनन्या गैरोला, सहायक प्राध्यापक (संविदा), ने वर्तमान परिदृश्य में जैविक खेती की प्रासंगिकता एवं महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैविक खेती के सिद्धांतों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने, मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जैविक खेती की उचित तकनीकों को अपनाकर सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत कृषि विकास के लिए जैविक खेती के महत्व पर भी प्रकाश डाला।इस कार्यक्रम में कृषि एवं वानिकी के लगभग 236 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार, डॉ. उमानाथ शुक्ला, डॉ. रजत मिश्रा एवं डॉ. भारतेन्दु यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि एवं वानिकी की चुनौतियों, संभावनाओं तथा सतत विकास के प्रति जागरूक करना रहा। जैविक खेती पर आपकी राय 8318857659

हिंदुस्तान 26/10/2026

दीक्षारंभ में सीएसए छात्रों ने समझी जैविक खेती

कानपुर। चंद्रशेखर-आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में कृषि एवं वानिकी महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. विजय यादव ने शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र के बारे में जानकारी दी। डॉ. अनन्या ने जैविक खेती के महत्व पर जानकारी दी। रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया।

दैनिक
वक्त दर्शन
शित, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं दिल्ली, मुम्बई, तेलंगाना, केर

अंक :269 | कानपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ : 8

सीएसए में दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों को जैविक खेती के महत्व से कराया गया परिचित



हरिओम गुप्ता

कानपुर नगर वक्त दर्शन कार्यालय गोपाल नगर संवाददाता, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कृषि एवं वानिकी महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 24 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2026 तक आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता संबंधी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. विजय यादव, विभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा निदेशक, प्लेसमेंट ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी अवसरों का समुचित लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व एवं शैक्षणिक जीवन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा अपनी क्षमताओं के निरंतर विकास के लिए प्रेरित किया। साथ ही, कृषि एवं वानिकी के क्षेत्र में उपलब्ध करियर एवं रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में डॉ. अनन्या गैरोला, सहायक प्राध्यापक (संविदा), ने वर्तमान परिदृश्य में जैविक खेती की प्रासंगिकता एवं महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैविक खेती के सिद्धांतों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने, मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जैविक खेती की उचित तकनीकों को अपनाकर सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत कृषि विकास के लिए जैविक खेती के महत्व पर भी प्रकाश डाला।इस कार्यक्रम में कृषि एवं वानिकी के लगभग 236 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. कौशल कुमार, डॉ. उमानाथ शुक्ला, डॉ. रजत मिश्रा एवं डॉ. भारतेन्दु यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि एवं वानिकी की चुनौतियों, संभावनाओं तथा सतत विकास के प्रति जागरूक करना रहा।

अमर उजाला 26/10/2026

जैविक खेती और कॅरिअर के अवसरों की दी जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में नवप्रवेशित कृषि एवं वानिकी विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 24 अक्तूबर से छह नवंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में लगभग 236 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यक्रम में आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष व प्लेसमेंट निदेशक डॉ. विजय यादव ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक इतिहास, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन और कौशल विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. अनन्या गैरोला ने जैविक खेती की उपयोगिता बताते हुए मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने, रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का उपयोग घटाने और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका समझाई।

उन्होंने सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन के लिए जैविक कृषि तकनीक अपनाने पर जोर दिया। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, क्रेडिट, आंतरिक मूल्यांकन, अनुशासन और विवि के संसाधनों की जानकारी भी दी जा रही है। (ब्यूरो)